चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....दैनिक सवेरा.....

दिनांक 20.12.2020...पृष्ठ संख्या.....7.....कॉलम.....4-6.....

हकृवि में दूध प्रसंस्करण एवं बाजरा उत्कृष्टता केंद्र का किया दौरा

हिसार, 19 दिसंबर (सुरेंद्र सोढी) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में प्रदेश की अनुसूचित जाति व जनजाति की महिलाओं के लिए पांच दिवसीय प्रशिक्षण शिविर में कई प्रकार के उत्पाद बनाने का प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण का आयोजन विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान में सिरसा रोड स्थित केंद्रीय भैंस अनुसंधान संस्थान के सहयोग से किया गया। इस प्रशिक्षण का आयोजन विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा की देखरेख में किया जा रहा है। प्रशिक्षण में संस्थान के सह-निदेशक(प्रशिक्षण)डॉ. अशोक गोदारा ने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने व स्वरोजगार स्थापित करने की जानकारी दी गई। इस दौरान महिलाओं ने लाला लाजपत राय पशु चिकित्सा एवं विज्ञान विश्वविद्यालय के दूध प्रसंस्करण संस्थान और एचएयू के गृह विज्ञान महाविद्यालय के बाजरा उत्कृष्टता केंद्र का दौरा किया। भ्रमण के दौरान प्रशिक्षणार्थी महिलाओं ने दूध से तैयार किए जाने वाले उत्पादों के बारे में जानकारी हासिल की। इसके अलावा बाजरा उत्कृष्टता केंद्र में दौरा कर बाजरे से कुरकुरे व पफ बनाने वाले कार्यप्रणाली के बारे में व्यवहारिक जानकारी ली।

प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण देते वैज्ञानिक व मौजूद प्रतिभागी।

रचना ने बाजरे के आटे से बनाया सबसे अच्छा केक

प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों के बीच बाजरे से केक बनाने की प्रतियोगिता करवाई गई जिसमें रचना ने बाजरे के आटे से सबसे अच्छा केक बनाकर प्रथम स्थान हासिल किया। केंद्रीय भैंस अनुसंधान संस्थान के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. सज्जन सिंह ने विजेता प्रतिभागी व उसकी टीम की प्रशंसा की। साथ ही उन्होंने आह्वान किया कि वे यहां से प्रशिक्षण हासिल कर स्वयं की अनाज के मूल्य संवंर्धन आधारित इकाई स्थापित करें।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम........ पंजाब केसरी ....

दिनांक 20.12.2020 पृष्ठ संख्या 2 कॉलम 6-8

प्रशिक्षण देते वैज्ञानिक व मौजूद प्रतिभागी।

'महिलाओं ने किया दूध प्रसंस्करण एवं बाजरा उत्कृष्टता केंद्र का दौरा'

■ विभिन्न उत्पाद तैयार करने का हासिल किया प्रशिक्षण

हिसार, 19 दिसम्बर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में प्रदेश की अनुसूचित जाति व जनजाति की महिलाओं के लिए 5 दिवसीय शिविर में कई प्रकार के उत्पाद बनाने का प्रशिक्षण दिया गया। इसका आयोजन विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान में सिरसा रोड स्थित केंद्रीय भैंस अनुसंधान संस्थान के सहयोग से किया गया। इस प्रशिक्षण का आयोजन विस्तार शिक्षा निदेशक डा. आर.एस. हुड्डा की देखरेख में किया जा रहा है। प्रशिक्षण में संस्थान के सह-निदेशक (प्रशिक्षण) डा. अशोक गोदारा ने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने व स्वरोजगार स्थापित करने की जानकारी दी गई। इस दौरान महिलाओं ने लाला लाजपत राय पशु चिकित्सा एवं विज्ञान विश्वविद्यालय के दूध प्रसंस्करण संस्थान और एच.ए.यू. के गृह विज्ञान महाविद्यालय के बाजरा उत्कृष्टता केंद्र का दौरा किया। भ्रमण के दौरान प्रशिक्षणार्थी महिलाओं ने दूध से तैयार किए जाने वाले उत्पादों के बारे में जानकारी हासिल की।

रचना ने बाजरे के आटे से बनाया केक

इसके अलावा बाजरा उत्कृष्टता केंद्र में दौरा कर बाजरे से कुरकुरे व पफ बनाने वाली कार्यप्रणाली के बारे में व्यावहारिक जानकारी ली। लघु उद्योग के संचालक रवि जांगड़ा ने प्रतिभागियों को सोयाबीन से दूध व पनीर बनाने की इकाई का वचुर्अल भ्रमण कराया और बाजरा व अन्य अनाजों के प्रसंस्करण के लिए स्वयं की इकाई स्थापित करने की जानकारी दी। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों के बीच बाजरे से केक बनाने की प्रतियोगिता करवाई गई, जिसमें रचना ने बाजरे के आटे से सबसे अच्छा केक बनाकर प्रथम स्थान हासिल किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम....अमर उजाला, दैनिक भास्कर....

दिनांक 20.12.2020...पृष्ठ संख्या...2, 2.........कॉलम.....3-4, 1-2.

रचना ने बाजरे के आटे से बनाया सबसे अच्छा केक

हिसार(ब्यूरो)। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में अनुसूचित जाति व जनजाति की महिलाओं के लिए पांच दिवसीय प्रशिक्षण शिविर में कई प्रकार के उत्पाद बनाने का प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण का आयोजन विश्वविद्यालय के साइना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान में केंद्रीय भैंस अनुसंधान संस्थान के सहयोग से किया गया।

संस्थान के सह-निदेशक(प्रशिक्षण) डॉ. अशोक गोदारा ने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने व स्वरोजगार स्थापित करने की जानकारी दी। इस दौरान महिलाओं ने लुवास के दूध प्रसंस्करण संस्थान से दूध से तैयार किए जाने वाले उत्पादों और एचएयू के बाजरा उत्कृष्टता केंद्र से बाजरे से कुरकुरे व पफ बनाने के बारे में व्यवहारिक जानकारी हासिल की। लघु उद्योग के संचालक रवि जांगड़ा ने प्रतिभागियों को सोयाबीन से दूध व पनीर बनाने की इकाई का वर्चुअल भ्रमण कराया और बाजरा व अन्य अनाजों के प्रसंस्करण के लिए स्वयं की इकाई स्थापित करने की जानकारी दी। इस दौरान प्रतिभागियों के बीच बाजरे से केक बनाने की प्रतियोगिता करवाई गई जिसमें रचना ने प्रथम स्थान हासिल किया।

एचएयू ने छात्राओं को कई तरह के उत्पाद बनाने का प्रशिक्षण दिया

हिसार| एचएयू में प्रदेश की अनुसूचित जाति व जनजाति की महिलाओं के लिए पांच दिवसीय प्रशिक्षण शिविर में कई प्रकार के उत्पाद बनाने का प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण का आयोजन विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान में सिरसा रोड स्थित केंद्रीय भैंस अनुसंधान संस्थान के सहयोग से किया गया। प्रशिक्षण का आयोजन विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा की देखरेख में किया जा रहा है। प्रशिक्षण में संस्थान के सह-निदेशक(प्रशिक्षण)डॉ. अशोक गोदारा ने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने व स्वरोजगार स्थापित करने की जानकारी दी गई। इस दौरान महिलाओं ने लाला लाजपत राय पशु चिकित्सा एवं विज्ञान विश्वविद्यालय के दूध प्रसंस्करण संस्थान और एचएयू के गृह विज्ञान महाविद्यालय के बाजरा उत्कृष्टता केंद्र का दौरा किया। भ्रमण के दौरान प्रशिक्षणार्थी महिलाओं ने दूध से तैयार किए जाने वाले उत्पादों के बारे में जानकारी हासिल की।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....दैनिक समाज.....

दिनांक 20.12.2020 पृष्ठ संख्या.....—.....कॉलम.....—

दूध प्रसंस्करण एवं बाजरा उत्कृष्टता केंद्र का किया दौरा

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में प्रदेश की अनुसूचित जाति व जनजाति की महिलाओं के लिए पांच दिवसीय प्रशिक्षण शिविर में कई प्रकार के उत्पाद बनाने का प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण का आयोजन विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान में सिरसा रोड स्थित केंद्रीय भैंस अनुसंधान संस्थान के सहयोग से किया गया। इस प्रशिक्षण का आयोजन विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा की देखरेख में किया जा रहा है। प्रशिक्षण में संस्थान के सह-निदेशक (प्रशिक्षण)डॉ. अशोक गोदारा ने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने व स्वरोजगार स्थापित करने की जानकारी दी गई।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....सच कहूँ.....

दिनांक 20.12.2020 पृष्ठ संख्या.....कॉलम.....

महिलाओं ने किया बाजरा उत्कृष्टता केंद्र का दौरा

हिसार(सच कहूँ न्यूज)। चौधरी चरण सिंह कृषि विश्वविद्यालय हिसार में प्रदेश की अनुसूचित जाति व जनजाति की महिलाओं के लिए पांच दिवसीय प्रशिक्षण शिविर में कई प्रकार के उत्पाद बनाने का प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण का आयोजन विश्वविद्यालय के सावना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान में सिरसा रोड स्थित केंद्रीय भैंस अनुसंधान संस्थान के सहयोग से किया गया। इस प्रशिक्षण का आयोजन विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आरएस हुड्डा की देखरेख में किया जा रहा है। प्रशिक्षण में संस्थान के सह-निदेशक (प्रशिक्षण) डॉ. अशोक गोदारा ने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने व स्वरोजगार स्थापित करने की जानकारी दी गई। इस दौरान महिलाओं ने लाला लाजपत राय पशु चिकित्सा एवं विज्ञान विश्वविद्यालय के दूध प्रसंस्करण संस्थान और एचएयू के गृह विज्ञान महाविद्यालय के बाजरा उत्कृष्टता केंद्र का दौरा किया। भ्रमण के दौरान प्रशिक्षणार्थी महिलाओं ने दूध से तैयार किए जाने वाले उत्पादों के बारे में जानकारी हासिल की। इसके अलावा बाजरा उत्कृष्टता केंद्र में दौरा कर बाजरे से कुरकुरे व पफ बनाने वाले कार्यप्रणाली के बारे में व्यवहारिक जानकारी ली।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.......................नभ छोर..............................

दिनांक 19.12.2020 पृष्ठ संख्या...........—...........कॉलम...........—...........

बाजरे से केक बना कर रचना रही प्रथम

हिसार/19 दिसंबर/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में प्रदेश की अनुसूचित जाति व जनजाति की महिलाओं के लिए पांच दिवसीय प्रशिक्षण शिविर में कई प्रकार के उत्पाद बनाने का प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण का आयोजन विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान में सिरसा रोड स्थित केंद्रीय भैंस अनुसंधान संस्थान के सहयोग से किया गया। प्रशिक्षण में संस्थान के सह निदेशक प्रशिक्षण डॉ. अशोक गोदारा ने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने व स्वरोजगार स्थापित करने की जानकारी दी। इस दौरान महिलाओं ने लाला लाजपत राय पशु चिकित्सा एवं विज्ञान विश्वविद्यालय के दूध प्रसंस्करण संस्थान और एचएयू के गृह विज्ञान महाविद्यालय के बाजरा उत्कृष्टता केंद्र का दौरा किया। भ्रमण के दौरान प्रशिक्षणार्थी महिलाओं ने दूध से तैयार किए जाने वाले उत्पादों के बारे में जानकारी हासिल की। इसके अलावा बाजरा उत्कृष्टता केंद्र में दौरा कर बाजरे से कुरकुरे व पफ बनाने वाले कार्यप्रणाली के बारे में व्यवहारिक जानकारी ली। लघु उद्योग के संचालक रवि जांगड़ा ने प्रतिभागियों को सोयाबीन से दूध व पनीर बनाने की इकाई का वर्चुअल भ्रमण कराया और बाजरा व अन्य अनाज के प्रसंस्करण के लिए स्वयं की इकाई स्थापित करने की जानकारी दी। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों के बीच बाजरे से केक बनाने की प्रतियोगिता करवाई गई जिसमें रचना ने बाजरे के आटे से सबसे अच्छा केक बनाकर प्रथम स्थान हासिल किया। केंद्रीय भैंस अनुसंधान संस्थान के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. सज्जन सिंह ने विजेता प्रतिभागी व उसकी टीम की प्रशंसा की।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....सिटी पल्स.....

दिनांक 1.9.12.2020 पृष्ठ संख्या.....—.....कॉलम.....—.....

हकृवि में आयोजित शिविर में महिलाओं ने विभिन्न उत्पाद तैयार करने का हासिल किया प्रशिक्षण

महिलाओं ने दूध प्रसंस्करण एवं बाजरा उत्कृष्टता केंद्र का किया दौरा

सिटी पल्स न्यूज़, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में प्रदेश की अनुसूचित जाति व जनजाति की महिलाओं के लिए पांच दिवसीय प्रशिक्षण शिविर में कई प्रकार के उत्पाद बनाने का प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण का आयोजन विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान में सिरसा रोड स्थित केंद्रीय भैंस अनुसंधान संस्थान के सहयोग से किया गया। प्रशिक्षण में संस्थान के सह-निदेशक (प्रशिक्षण) डॉ. अशोक गोदारा ने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने व स्वरोजगार स्थापित करने की जानकारी दी गई। इस दौरान महिलाओं ने लाला लाजपत राय पशु चिकित्सा एवं विज्ञान विश्वविद्यालय के दूध प्रसंस्करण संस्थान और एचएयू के गृह विज्ञान महाविद्यालय के बाजरा उत्कृष्टता केंद्र का दौरा किया। भ्रमण के दौरान प्रशिक्षणार्थी महिलाओं ने दूध से तैयार किए जाने वाले उत्पादों के बारे में जानकारी हासिल की। इसके अलावा बाजरा उत्कृष्टता केंद्र में दौरा कर बाजरे से कुरकुरे व पफ बनाने वाले कार्यप्रणाली के बारे में व्यवहारिक जानकारी ली। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों के बीच बाजरे से केक बनाने की प्रतियोगिता करवाई गई जिसमें रचना ने बाजरे के आटे से सबसे अच्छा केक बनाकर प्रथम स्थान हासिल किया। केंद्रीय भैंस अनुसंधान संस्थान के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. सज्जन सिंह ने विजेता प्रतिभागी व उसकी टीम की प्रशंसा की।

हिसार। प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण देते वैज्ञानिक व मौजूद प्रतिभागी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....समस्त हरियाणा.....

दिनांक 1.9.12.2020....पृष्ठ संख्या.....—.....कॉलम.....—.....

महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने पर दिया जोर

विभिन्न उत्पाद तैयार करने का हासिल किया प्रशिक्षण

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में प्रदेश की अनुसूचित जाति व जनजाति की महिलाओं के लिए पांच दिवसीय प्रशिक्षण शिविर में कई प्रकार के उत्पाद बनाने का प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण का आयोजन विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान में सिरसा रोड स्थित केंद्रीय भैंस अनुसंधान संस्थान के सहयोग से किया गया। इस प्रशिक्षण का आयोजन विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा की देखरेख में किया जा रहा है। प्रशिक्षण में संस्थान के सह-निदेशक(प्रशिक्षण)डॉ. अशोक गोदारा ने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने व

स्वरोजगार स्थापित करने की जानकारी दी गई। इस दौरान महिलाओं ने लाला लाजपत राय पशु चिकित्सा एवं विज्ञान विश्वविद्यालय के दूध प्रसंस्करण संस्थान और एचएयू के गृह विज्ञान महाविद्यालय के बाजरा उत्कृष्टता केंद्र का दौरा किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....पाँच बजे.....

दिनांक 19.12.2020.....पृष्ठ संख्या.....—.....कॉलम.....—.....

दूध प्रसंस्करण एवं बाजरा उत्कृष्टता केंद्र का किया दौरा

विभिन्न उत्पाद तैयार करने का हासिल किया प्रशिक्षण

पांच बजे ब्यूरो

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में प्रदेश की अनुसूचित जाति व जनजाति की महिलाओं के लिए पांच दिवसीय प्रशिक्षण शिविर में कई प्रकार के उत्पाद बनाने का प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण का आयोजन विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान में सिरसा रोड स्थित केंद्रीय भैंस अनुसंधान संस्थान के सहयोग से किया गया। इस प्रशिक्षण का आयोजन विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा की देखरेख में किया जा रहा है। प्रशिक्षण में संस्थान के सह-निदेशक(प्रशिक्षण)डॉ. अशोक गोदारा ने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने व स्वरोजगार स्थापित करने की जानकारी दी गई। इस दौरान महिलाओं ने लाला लाजपत राय पशु चिकित्सा एवं विज्ञान विश्वविद्यालय के दूध प्रसंस्करण संस्थान और एचएयू के गृह विज्ञान महाविद्यालय के बाजरा उत्कृष्टता केंद्र का दौरा किया। भ्रमण के दौरान प्रशिक्षणार्थी महिलाओं ने दूध से तैयार किए जाने वाले उत्पादों के बारे में जानकारी हासिल की। इसके अलावा बाजरा उत्कृष्टता केंद्र में दौरा कर बाजरे से कुरकुरे व पफ बनाने वाले कार्यप्रणाली के बारे में व्यवहारिक जानकारी ली। लघु उद्योग के संचालक रवि जांगड़ा ने प्रतिभागियों को सोयाबीन से दूध व पनीर बनाने की इकाई का वचुर्अल भ्रमण कराया और बाजरा व अन्य अनाजों के प्रसंस्करण के लिए स्वयं की इकाई स्थापित करने की जानकारी दी।

रचना ने बाजरे के आटे से बनाया सबसे अच्छा केक

प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों के बीच बाजरे से केक बनाने की प्रतियोगिता करवाई गई जिसमें रचना ने बाजरे के आटे से सबसे अच्छा केक बनाकर प्रथम स्थान हासिल किया। केंद्रीय भैंस अनुसंधान संस्थान के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. सज्जन सिंह ने विजेता प्रतिभागी व उसकी टीम की प्रशंसा की। साथ ही उन्होंने आह्वन किया कि वे यहां से प्रशिक्षण हासिल कर स्वयं की अनाज के मूल्य सवंर्धन आधारित इकाई स्थापित करें।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.......पाठक पक्ष.......

दिनांक 19.12.2020 पृष्ठ संख्या...—...कॉलम...—...

दूध प्रसंस्करण एवं बाजरा उत्कृष्टता केंद्र का किया दौरा

विभिन्न उत्पाद तैयार करने का हासिल किया प्रशिक्षण

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 19 दिसम्बर : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में प्रदेश की अनुसूचित जाति व जनजाति की महिलाओं के लिए पांच दिवसीय प्रशिक्षण शिविर में कई प्रकार के उत्पाद बनाने का प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण का आयोजन विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान में सिरसा रोड स्थित केंद्रीय भैंस अनुसंधान संस्थान के सहयोग से किया गया। इस प्रशिक्षण का आयोजन विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा की देखरेख में किया जा रहा है। प्रशिक्षण में संस्थान के सह-निदेशक(प्रशिक्षण)डॉ. अशोक गोदारा ने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने व स्वरोजगार स्थापित करने की जानकारी दी गई। इस दौरान महिलाओं ने लाला लाजपत राय पशु चिकित्सा एवं विज्ञान विश्वविद्यालय के दूध प्रसंस्करण संस्थान और एचएयू के गृह विज्ञान महाविद्यालय के बाजरा उत्कृष्टता केंद्र का दौरा किया। भ्रमण

के दौरान प्रशिक्षणार्थी महिलाओं ने दूध से तैयार किए जाने वाले उत्पादों के बारे में जानकारी हासिल की। इसके अलावा बाजरा उत्कृष्टता केंद्र में दौरा कर बाजरे से कुरकुरे व पफ बनाने वाले कार्यप्रणाली के बारे में व्यवहारिक जानकारी ली। लघु उद्योग के संचालक रवि जांगड़ा ने प्रतिभागियों को सोयाबीन से दूध व पनीर बनाने की इकाई का वचुर्अल भ्रमण कराया और बाजरा व अन्य अनाजों के प्रसंस्करण के लिए स्वयं की इकाई स्थापित करने की जानकारी दी। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों के बीच बाजरे से केक बनाने की प्रतियोगिता करवाई गई जिसमें रचना ने बाजरे के आटे से सबसे अच्छा केक बनाकर प्रथम स्थान हासिल किया। केंद्रीय भैंस अनुसंधान संस्थान के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. सज्जन सिंह ने विजेता प्रतिभागी व उसकी टीम की प्रशंसा की। साथ ही उन्होंने आह्वान किया कि वे यहां से प्रशिक्षण हासिल कर स्वयं की अनाज के मूल्य सवंर्धन आधारित इकाई स्थापित करें।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....पंजाब केसरी.....

दिनांक 20.12.2020...पृष्ठ संख्या.....2.....कॉलम.....1-3.....

गृह विज्ञान महाविद्यालय की ओर से गांव बुड़ाक में आयोजित कार्यक्रम में नुक्कड़ नाटक करती छात्राएं।

'नुक्कड़ नाटक से दिया बेटा-बेटी एक समान का संदेश'

हिसार, 19 दिसम्बर (ब्यूरो): माता-पिता अपने बेटा व बेटी में कोई फर्क न समझें, बल्कि उन्हें आगे बढ़ने के समान अवसर प्रदान करें। लड़का व लड़की से उन्हें समान अपेक्षाएं रखते हुए बच्चों को एक-दूसरे का सम्मान करना भी सिखाएं।

उक्त संदेश चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान महाविद्यालय की छात्राओं ने एक नुक्कड़ नाटक के माध्यम से दिया। कार्यक्रम का आयोजन जिले के गांव बुड़ाक में महाविद्यालय की ओर से महिला सशक्तिकरण, लिंग संवेदीकरण एवं लिंग भेद मिटाने की ओर एक कदम विषय के तहत किया गया।

कार्यक्रम की संयोजक डा. किरण सिंह ने बताया कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य समाज में लड़के व लड़कियों में समझे जाने वाले भेदभाद के प्रति लोगों को जागरूक करना है। कार्यक्रम में डा. पूनम राठी ने घर पर ही बच्चों को पढ़ाने के लिए शैक्षणिक सामग्री तैयार करने के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि महिलाएं अपने घर पर ही शैक्षणिक सामग्री को बनाकर बचत कर सकती हैं और बच्चों को पढ़ा भी सकती हैं। वहीं वक्ताओं ने कहा कि लिंग संवेदीकरण के लिए जो नीतियां बनाई जाती हैं उनको जमीनी स्तर पर शोध करके ही लागू करना चाहिए। इसके लिए महिलाओं व पुरुषों के साथ-साथ सभी आयुवर्ग के लोगों को जागरूक किया जाना चाहिए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....अमर उजाला.....

दिनांक 20.12.2020 पृष्ठ संख्या.....2.....कॉलम.....6-8.....

छात्राओं ने दिया संदेश 'लड़का-लड़की एक समान'

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान महाविद्यालय की छात्राओं ने गांव बुड़ाक में 'महिला सशक्तिकरण एवं लिंग संवेदीकरण' विषय पर एक नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया। नाटक के माध्यम से छात्राओं ने लड़का-लड़की एक समान होने का संदेश दिया।

कार्यक्रम की संयोजक डॉ. किरण सिंह ने बताया कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य समाज में लड़के व लड़कियों में समझे जाने वाले भेदभाव के प्रति लोगों को जागरूक करना है। कार्यक्रम परियोजना प्रभारी डॉ. कृष्णा दूहन ने बताया कि एक सशक्त समाज के लिए लिंग समानता बहुत ही जरूरी है। समानता एक सुंदर और सुरक्षित समाज की वो नींव है जिस पर विकास रूपी इमारत बनाई जा सकती है। डॉ. पूनम मलिक ने बताया कि सरकार ने महिलाओं के खिलाफ हिंसा को समाप्त करने को अपनी प्राथमिकता बनाया है। साथ ही उनकी तस्करी, घरेलू हिंसा तथा यौन शोषण रोकने के लिए विशेष उपाय किए हैं। डॉ. पूनम राठी ने बताया कि महिलाएं अपने घर पर ही शैक्षणिक सामग्री को बनाकर बचत कर सकती हैं और बच्चों को पढ़ा भी सकती हैं। इस दौरान ग्रामीणों से रूबरू होते हुए लड़का-लड़की में भेदभाव न करने व उन्हें आगे बढ़ने के लिए समान अवसर प्रदान करने के बारे में भी जागरूक किया गया।

गांव बुड़ाक में नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत करतीं छात्राएं। अमर उजाला

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....दैनिक भास्कर.....

दिनांक 20.12.2020..पृष्ठ संख्या.....2.....कॉलम.....1.2.....

नुक्कड़ नाटक से लड़का-लड़की एक समान होने का दिया संदेश

सिटी रिपोर्टर • माता-पिता अपने बेटा व बेटी में कोई फर्क न समझें बल्कि उन्हें आगे बढ़ने के लिए समान अवसर प्रदान करें। लड़का और लड़की से उन्हें समान अपेक्षाएं रखते हुए बच्चों को एक-दूसरे का सम्मान करना भी सिखाएं। उक्त संदेश एचएयू के गृह विज्ञान महाविद्यालय की छात्राओं ने एक नुक्कड़ नाटक के माध्यम से दिया। कार्यक्रम का आयोजन जिले के गांव बुड़ाक में महाविद्यालय की ओर से 'महिला सशक्तीकरण एवं लिंग संवेदीकरण' लिंग भेद मिटाने की ओर एक कदम विषय के तहत किया गया। डॉ. किरण सिंह ने बताया कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य समाज में लड़के व लड़कियों में समझे जाने वाले भेदभाव के प्रति लोगों को जागरूक करना है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम: दैनिक सवेरा

दिनांक 20.12.2020 पृष्ठ संख्या 7 कॉलम 7-8

नुक्कड़ नाटक के माध्यम से दिया समानता का संदेश

गृह विज्ञान महाविद्यालय की ओर से गांव बुड़ाक में आयोजित कार्यक्रम में नुक्कड़ नाटक करती छात्राएं।

हिसार, (सुरेंद्र सोढी) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान महाविद्यालय की छात्राओं ने एक नुक्कड़ नाटक के माध्यम से लड़का और लड़की में समानता का संदेश दिया। हकृवि में शनिवार को आयोजित किए गए इस कार्यक्रम का आयोजन जिले के गांव बुड़ाक में महाविद्यालय की ओर से 'महिला सशक्तिकरण एवं लिंग संवेदीकरण' लिंग भेद मिटाने की ओर एक कदम विषय के तहत किया गया। नुक्कड़ नाटक में संदेश के माध्यम से कहा गया कि माता-पिता अपने बेटा व बेटी में कोई फर्क न समझें बल्कि बल्कि उन्हें आगे बढने के सम्मान अवसर प्रदान करें। लड़का व लड़की से उन्हें समान अपेक्षाएं रखते हुए बच्चों को एक-दूसरे का सम्मान करना भी सिखाएं। कार्यक्रम की संयोजक डॉ. किरण सिंह ने बताया कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य समाज में लडके व लड़कियों में समझे जाने वाले भेदभाद के प्रति लोगों को जागरूक करना है। यह कार्यक्रम परियोजना प्रभारी डॉ. कृष्णा दूहन की देखरेख में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली से फंडिड नेशनल एग्रीकल्चरल साइंस फंड (एनएएसएफ) के तहत किया गया। बालिकाओं का संरक्षण और सशक्तीकरण करने वाले अभियान 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' अभियान की शुरुआत की गई, जिसे राष्ट्रीय स्तर पर संचालित किया जा रहा है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम....दैनिक सवेरा....

दिनांक ..20.12.2020..पृष्ठ संख्या....3....कॉलम....6-8....

कृषि वैज्ञानिकों ने युवाओं को दिया खुम्ब उत्पादन का प्रशिक्षण

फतेहाबाद, 20 दिसंबर (नरेंद्र मदान) : कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा अनुसूचित वर्ग के बेरोजगार ग्रामीण युवाओं के लिए खुम्ब उत्पादन तकनीक विषय पर 5 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन केन्द्र परिसर में किया गया। प्रशिक्षण शिविर में जिले के 30 युवाओं ने भाग लिया। प्रशिक्षण के दौरान हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय से आए वैज्ञानिकों ने खुम्ब उत्पादन विषय के बारे में विस्तृत जानकारी दी। इस अवसर पर पादप रोग विशेषज्ञ डॉ. राकेश सांगवान ने विभिन्न प्रकार की खुम्ब की वैज्ञानिक पद्धति द्वारा उत्पादन के बारे में किसानों को बताया वहीं डॉ. राकेश चुघ ने खुम्ब में आने वाली बीमारियों एवं इसके रख-रखाव के बारे में विस्तृत जानकारी दी। डॉ. अमरजीत कुण्डू, बागवानी अधिकारी ने खुम्ब उत्पादन

प्रशिक्षण शिविर के समापन पर युवाओं को प्रमाण पत्र वितरित करते कृषि वैज्ञानिक।

के लिए हरियाणा सरकार द्वारा दिए जा रहे अनुदान बारे युवाओं को बताया और इसका लाभ उठाने का आग्रह किया। कृषि विश्वविद्यालय के प्रशिक्षण संस्थान से आए डॉ. संदीप भाकर ने खुम्ब उत्पादन में आने वाले व्यय और लाभों के बारे में जानकारी दी और इसके लिए जागरूक किया। इस अवसर पर केन्द्र के वैज्ञानिक एवं प्रशिक्षण संयोजक डॉ. संतोष कुमार एवं डॉ. विकास हुड्डा ने भी विषय सम्बंधित जानकारी दी। प्रशिक्षण के समापन पर केन्द्र के वरिष्ठ समन्वयक डॉ. लक्ष्यवीर बैनीवाल ने प्रशिक्षणिर्यों को बताया कि खुम्ब उत्पादन एक लाभकारी व्यवसाय है जिसको अपनाकर बेरोजगार युवा आमदनी का जरिया बना सकते हैं। अंत में सभी प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र भी वितरित किए गए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम........दैनिक सवेरा........

दिनांक 20.12.2020 पृष्ठ संख्या........3........कॉलम........6-8........

कृषि वैज्ञानिकों ने युवाओं को दिया खुम्ब उत्पादन का प्रशिक्षण

फतेहाबाद, 20 दिसंबर (नरेंद्र मदान) : कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा अनुसूचित वर्ग के बेरोजगार ग्रामीण युवाओं के लिए खुम्ब उत्पादन तकनीक विषय पर 5 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन केन्द्र परिसर में किया गया। प्रशिक्षण शिविर में जिले के 30 युवाओं ने भाग लिया। प्रशिक्षण के दौरान हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय से आए वैज्ञानिकों ने खुम्ब उत्पादन विषय के बारे में विस्तृत जानकारी दी। इस अवसर पर पादप रोग विशेषज्ञ डॉ. राकेश सांगवान ने विभिन्न प्रकार की खुम्ब की वैज्ञानिक पद्धति द्वारा उत्पादन के बारे में किसानों को बताया वहीं डॉ. राकेश चुघ ने खुम्ब में आने वाली बीमारियों एवं इसके रख-रखाव के बारे में विस्तृत जानकारी दी। डॉ. अमरजीत कुण्डू, बागवानी अधिकारी ने खुम्ब उत्पादन के लिए हरियाणा सरकार द्वारा दिए जा रहे अनुदान बारे युवाओं को बताया और इसका लाभ उठाने का आग्रह किया। कृषि विश्वविद्यालय के प्रशिक्षण संस्थान से आए डॉ. संदीप भाकर ने खुम्ब उत्पादन में आने वाले व्यय और लाभों के बारे में जानकारी दी और इसके लिए जागरूक किया। इस अवसर पर केन्द्र के वैज्ञानिक एवं प्रशिक्षण संयोजक डॉ. संतोष कुमार एवं डॉ. विकास हुड्डा ने भी विषय सम्बंधित जानकारी दी। प्रशिक्षण के समापन पर केन्द्र के वरिष्ठ समन्वयक डॉ. लक्ष्यवीर बैनीवाल ने प्रशिक्षणियों को बताया कि खुम्ब उत्पादन एक लाभकारी व्यवसाय है जिसको अपनाकर बेरोजगार युवा आमदनी का जरिया बना सकते हैं। अंत में सभी प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र भी वितरित किए गए।

प्रशिक्षण शिविर के समापन पर युवाओं को प्रमाण पत्र वितरित करते कृषि वैज्ञानिक।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम......सच कहूँ......

दिनांक 20.12.2020 पृष्ठ संख्या...—...कॉलम...—...

नुक्कड़ नाटक से दिया बेटा-बेटी एक समान का संदेश

हिसार(सच कहूँ न्यूज)। माता-पिता अपने बेटा व बेटी मे कोई फर्क न समझे बल्कि बल्कि उन्हें आगे बढ़ने के सम्मान अवसर प्रदान करें। बेटा-बेटी दोनों से उन्होंने समान अपेक्षाएं रखते हुए बच्चों को एक-दूसरे का सम्मान करना भी सिखाएं। उक्त संदेश चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान महाविद्यालय की छात्राओं ने एक नुक्कड़ नाटक के माध्यम से दिया। कार्यक्रम का आयोजन जिले के गांव बुड़ाक में महाविद्यालय की ओर से 'महिला सशक्तिकरण एवं लिंग संवेदीकरण' लिंग भेद मिटाने की ओर एक कदम विषय के तहत किया गया। कार्यक्रम की संयोजक डॉ. किरण सिंह ने बताया कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य समाज मे लड़के व लड़कियो मे समझे जाने वाले भेदभाद के प्रति लोगो को जागरूक करना है। यह कार्यक्रम परियोजना प्रभारी डॉ. कृष्णा दूहन की देखरेख में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली से फंडिड नेशनल एग्रीकल्चरल साइंस फंड (एनएएसएफ) के तहत किया गया। उन्होंने बताया कि एक सशक्त समाज के लिए लिंग समानता बहुत ही जरूरी है। समानता एक सुंदर और सुरक्षित समाज की वो नीव है जिस पर विकास रूपी इमारत बनाई जा सकती है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम......नभ छोर......

दिनांक 19.12.2020 पृष्ठ संख्या...... कॉलम......

नुक्कड़ नाटक के माध्यम से छात्राओं ने दिया बेटा बेटी एक समान का संदेश

हिसार/19 दिसंबर/रिपोर्टर

माता पिता अपने बेटा व बेटी में कोई फर्क न समझें बल्कि उन्हें आगे बढ़ने के समान अवसर प्रदान करें। लड़का व लड़की से उन्हें समान अपेक्षाएं रखते हुए बच्चों को एक.दूसरे का सम्मान करना भी सिखाएं। यह संदेश हकृवि के गृह विज्ञान महाविद्यालय की छात्राओं ने एक नुक्कड़ नाटक के माध्यम से दिया। कार्यक्रम का आयोजन जिले के गांव बुड़ाक में महाविद्यालय की ओर से महिला सशक्तिकरण एवं लिंग संवेदीकरण लिंग भेद मिटाने की ओर एक कदम विषय के तहत किया गया। कार्यक्रम की संयोजक डॉ. किरण सिंह ने बताया कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य समाज में लड़के व लड़कियों में समझे जाने वाले भेदभाव के प्रति लोगों को जागरूक करना है। उन्होंने बताया कि एक सशक्त समाज के लिए लिंग समानता बहुत ही जरूरी है। समानता एक सुंदर और सुरक्षित समाज की वो नींव है जिस पर विकासरूपी इमारत बनाई जा सकती है। डॉ. पूनम मलिक ने बताया कि सरकार ने महिलाओं के खिलाफ हिंसा को समाप्त करने को अपनी प्राथमिकता बनाया है। साथ ही उनकी तस्करी, घरेलू हिंसा तथा यौन शोषण रोकने के लिए विशेष उपाय किए हैं। नीतिगत कार्यक्रमों में लैंगिकता को प्रस्तावित और एकीकृत करने के लिए प्रयास भी किए गए हैं। बालिकाओं का संरक्षण और सशक्तीकरण करने वाले अभियान बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान की शुरुआत की गई, जिसे राष्ट्रीय स्तर पर संचालित किया जा रहा है। कार्यक्रम में डॉ. पूनम राठी ने घर पर ही बच्चों को पढ़ाने के लिए शैक्षणिक सामग्री तैयार करने के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि महिलाएं अपने घर पर ही शैक्षणिक सामग्री को बनाकर बचत कर सकती हैं और बच्चों को पढ़ा भी सकती हैं। इस दौरान ग्रामीणों से रूबरू होते हुए लड़का.लड़की में भेदभाव न करने व उन्हें आगे बढ़ने के लिए समान अवसर प्रदान करने के बारे में भी जागरूक किया गया। उन्होंने कहा कि महिलाएं एक हिंसा मुक्त परिवेश में सम्मानपूर्वक जीवन जी सकें, इसके लिए उन्हें सहयोग देने के साथ.साथ उनका आर्थिक सशक्तीकरण भी जरूरी है। उन्होंने महिलाओं के मानसिक स्वास्थ्य व उनको प्रभावित करने वाले कारकों पर भी प्रकाश डाला। वक्ताओं ने कहा कि लिंग संवेदीकरण के लिए जो नीतियां बनाई जाती हैं उनको जमीनी स्तर पर शोध करके ही लागू करना चाहिए। इसके लिए महिलाओं व पुरूषों के साथ.साथ सभी आयुवर्ग के लोगों को जागरूक किया जाना चाहिए। कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों को मास्क का वितरण भी किया गया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....सिटी पल्स.....

दिनांक 19.12.2022 पृष्ठ संख्या.....—.....कॉलम.....—.....

नुक्कड़ नाटक के माध्यम से छात्राओं ने दिया लड़का-लड़की एक समान होने का संदेश

सिटी पल्स न्यूज़, हिसार। माता-पिता अपने बेटा व बेटी में कोई फर्क न समझें बल्कि उन्हें आगे बढ़ने के सम्मान अवसर प्रदान करें। लड़का व लड़की से उन्हें समान अपेक्षाएं रखते हुए बच्चों को एक-दूसरे का सम्मान करना भी सिखाएं। उक्त संदेश हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान महाविद्यालय की छात्राओं ने एक नुक्कड़ नाटक के माध्यम से दिया। कार्यक्रम का आयोजन जिले के गांव बुड़ाक में महाविद्यालय की ओर से 'महिला सशक्तिकरण एवं लिंग संवेदीकरण' लिंग भेद मिटाने की ओर एक कदम विषय के तहत किया गया। कार्यक्रम की संयोजक डॉ. किरण सिंह ने बताया कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य समाज में लड़के व लड़कियों में समझे जाने वाले भेदभाव के प्रति लोगों को जागरूक करना है। यह कार्यक्रम परियोजना प्रभारी डॉ. कृष्णा दूहन की देखरेख में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली से फंडिड नेशनल एग्रीकल्चरल साइंस फंड (एनएएसएफ) के तहत किया गया। उन्होंने बताया कि एक सशक्त समाज के लिए लिंग समानता बहुत ही जरूरी है। समानता एक सुंदर और सुरक्षित समाज की वो नींव है जिस पर विकासरूपी इमारत बनाई जा सकती है। डॉ. पूनम मलिक ने बताया कि सरकार ने महिलाओं के खिलाफ हिंसा को समाप्त करने को अपनी प्राथमिकता बनाया है।

हिसार। गांव बुड़ाक में आयोजित कार्यक्रम में नुक्कड़ नाटक करती छात्राएं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....आज समाज.....

दिनांक 26.12.2022 पृष्ठ संख्या.....—.....कॉलम.....—.....

गृह विज्ञान महाविद्यालय ने किया नुक्कड़ नाटक का आयोजन

आज समाज नेटवर्क

हिसार। माता-पिता अपने बेटा व बेटी में कोई फर्क न समझें बल्कि बल्कि उन्हें आगे बढने. के सम्मान अवसर प्रदान करें। लडका व लडकी से उन्हें समान अपेक्षाएं रखते हुए बच्चों को एक-दूसरे का सम्मान करना भी सिखाएं। उक्त संदेश चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान महाविद्यालय की छात्राओं ने एक नुक्कड़ नाटक के माध्यम से दिया। कार्यक्रम का आयोजन जिले के गांव बुड़ाक में महाविद्यालय की ओर से 'महिला सशक्तिकरण एवं लिंग संवेदीकरणइ लिंग भेद मिटाने की ओर एक कदम विषय के तहत किया गया। कार्यक्रम की संयोजक डॉ. किरण सिंह ने बताया कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य समाज में लडके व लड़कियों में समझे जाने वाले भेदभाद के प्रति लोगों को जागरूक करना है।

गांव बुड़ाक में आयोजित कार्यक्रम में नुक्कड़ नाटक करती छात्राएं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....समस्त हरियाणा.....

दिनांक 20.12.2020..पृष्ठ संख्या.....1.....कॉलम.....1.....

नुक्कड़ नाटक के माध्यम से छात्राओं ने दिया लड़का-लड़की एक समान होने का संदेश

'महिला सशक्तिकरण एवं लिंग संवेदीकरण'' विषय पर गांव बुड़ाक में कार्यक्रम आयोजित

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार। माता-पिता अपने बेटा व बेटी में कोई फर्क न समझें बल्कि बल्कि उन्हें आगे बढ़ने के समान अवसर प्रदान करें। लड़का व लड़की से उन्हें समान अपेक्षाएं रखते हुए बच्चों को एक-दूसरे का सम्मान करना भी सिखाएं। उक्त संदेश चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान महाविद्यालय की छात्राओं ने एक नुक्कड़ नाटक के माध्यम से दिया। कार्यक्रम का आयोजन जिले के गांव बुड़ाक में महाविद्यालय की ओर से 'महिला सशक्तिकरण एवं लिंग संवेदीकरण' लिंग भेद मिटाने की ओर एक कदम विषय के तहत किया गया। कार्यक्रम की संयोजक डॉ. किरण सिंह ने बताया कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य समाज में लड़के व लड़कियों में समझे जाने वाले

भेदभाद के प्रति लोगों को जागरूक करना है। यह कार्यक्रम परियोजना प्रभारी डॉ. कृष्णा दूहन की देखरेख में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली से फॉडिड नेशनल एग्रीकल्चरल साइंस फंड (एनएएसएफ) के तहत किया गया। उन्होंने बताया कि एक सशक्त समाज के लिए लिंग समानता बहुत ही जरूरी है। समानता एक सुंदर और सुरक्षित समाज की वो नींव है जिस पर विकासरूपी इमारत बनाई जा सकती है। डॉ. पूनम मलिक ने बताया कि सरकार ने महिलाओं के खिलाफ हिंसा को समाप्त करने को अपनी प्राथमिकता बनाया है।

घर पर ही बच्चों के लिए शैक्षणिक सामग्री तैयार करने की दी जानकारी

कार्यक्रम में डॉ. पूनम राठी ने घर पर ही बच्चों को पढ़ाने के लिए शैक्षणिक सामग्री तैयार करने के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि महिलाएं अपने घर पर ही शैक्षणिक सामग्री को बनाकर बचत कर सकती हैं और बच्चों को पढ़ा भी सकती हैं। इस दौरान ग्रामीणों से रूबरू होते हुए लड़का-लड़की में भेदभाव न करने व उन्हें आगे बढ़ने के लिए समान अवसर प्रदान करने के बारे में भी जागरूक किया गया। उन्होंने कहा कि महिलाएं एक हिंसा मुक्त परिवेश में सम्मानपूर्वक जीवन जी सकें, इसके लिए उन्हें सहयोग देने के साथ-साथ उनका आर्थिक सशक्तीकरण भी जरूरी है। उन्होंने महिलाओं के मानसिक स्वास्थ्य व उनको प्रभावित करने वाले कारकों पर भी प्रकाश डाला।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....पाँच बजे.....

दिनांक 20.12.2020.....पृष्ठ संख्या.....—.....कॉलम.....—.....

नुक्कड़ नाटक के माध्यम से छात्राओं ने दिया लडक़ा-लडक़ी एक समान होने का संदेश

पांव बजे न्यूज

हिसार। माता-पिता अपने बेटा व बेटी में कोई फर्क न समझें बल्कि बल्कि उन्हें आगे बढऩे के सम्मान अवसर प्रदान करें। लडक़ा व लडक़ी से उन्हें समान अपेक्षाएं रखते हुए बच्चों को एक-दूसरे का सम्मान करना भी सिखाएं। उक्त संदेश चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान महाविद्यालय की छात्राओं ने एक नुक्कड़ नाटक के माध्यम से दिया। कार्यक्रम का आयोजन जिले के गांव बुड़ाक में महाविद्यालय की ओर से 'महिला सशक्तिकरण एवं लिंग संवेदीकरण' लिंग भेद मिटाने की ओर एक कदम विषय के तहत किया गया। कार्यक्रम की संयोजक डॉ. किरण सिंह ने बताया कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य समाज में लडक़े व लड़कियों में समझे जाने वाले भेदभाद के प्रति लोगों को जागरूक करना है। यह कार्यक्रम परियोजना प्रभारी डॉ. कृष्णा दूहन की देखरेख में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली से फंडिड नेशनल एग्रीकल्चरल साइंस फंड (एनएएसएफ) के तहत किया गया। उन्होंने बताया कि एक सशक्त समाज के लिए लिंग समानता बहुत ही जरूरी है। समानता एक सुंदर और सुरक्षित समाज की वो नींव है जिस पर विकासरूपी इमारत बनाई जा सकती है। डॉ. पूनम मलिक ने बताया कि सरकार ने महिलाओं के खिलाफ हिंसा को समाप्त करने को अपनी प्राथमिकता बनाया है। साथ ही उनकी तस्करी, घरेलू हिंसा तथा यौन शोषण रोकने के लिए विशेष उपाय किए हैं। नीतिगत कार्यक्रमों में लैंगिकता को प्रस्तावित और एकीकृत करने के लिए प्रयास भी किए गए हैं। बालिकाओं का संरक्षण और सशक्तीकरण करने वाले अभियान 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' अभियान की शुरुआत की गई, जिसे राष्ट्रीय स्तर पर संचालित किया जा रहा है।

घर पर ही बच्चों के लिए शैक्षणिक सामग्री तैयार करने की दी जानकारी

कार्यक्रम में डॉ. पूनम राठी ने घर पर ही बच्चों को पढ़ाने के लिए शैक्षणिक सामग्री तैयार करने के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि महिलाएं अपने घर पर ही शैक्षणिक सामग्री को बनाकर बचत कर सकती हैं और बच्चों को पढ़ा भी सकती हैं। इस दौरान ग्रामीणों से रूबरू होते हुए लडक़ा-लडक़ी में भेदभाव न करने व उन्हें आगे बढऩे के लिए समान अवसर प्रदान करने के बारे में भी जागरूक किया गया। उन्होंने कहा कि महिलाएं एक हिंसा मुक्त परिवेश में सम्मानपूर्वक जीवन जी सकें, इसके लिए उन्हें सहयोग देने के साथ-साथ उनका आर्थिक सशक्तीकरण भी जरूरी है। उन्होंने महिलाओं के मानसिक स्वास्थ्य व उनको प्रभावित करने वाले कारकों पर भी प्रकाश डाला।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम........सिटी पल्स........

दिनांक 19.12.2022 पृष्ठ संख्या........—........कॉलम........—........

नुक्कड़ नाटक से लड़का-लड़की एक समान होने का दिया संदेश

सिटी रिपोर्टर • माता-पिता अपने बेटा व बेटी में कोई फर्क न समझें बल्कि उन्हें आगे बढ़ने के लिए समान अवसर प्रदान करें। लड़का और लड़की से उन्हें समान अपेक्षाएं रखते हुए बच्चों को एक-दूसरे का सम्मान करना भी सिखाएं। उक्त संदेश एचएयू के गृह विज्ञान महाविद्यालय की छात्राओं ने एक नुक्कड़ नाटक के माध्यम से दिया। कार्यक्रम का आयोजन जिले के गांव बुड़ाक में महाविद्यालय की ओर से 'महिला सशक्तीकरण एवं लिंग संवेदीकरण' लिंग भेद मिटाने की ओर एक कदम विषय के तहत किया गया। डॉ. किरण सिंह ने बताया कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य समाज में लड़के व लड़कियों में समझे जाने वाले भेदभाव के प्रति लोगों को जागरूक करना है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम..... दैनिक भास्कर.....

दिनांक 20.12.2020 पृष्ठ संख्या.....4.....कॉलम.....1-7.....

नया नियम • पहले एक कमरे में रहते थे दो से तीन छात्र, कोरोना से बचाव को एचएयू ने लिया निर्णय, हॉस्टल में बनाया आइसोलेशन वार्ड

निगेटिव रिपोर्ट आने के बाद ही एचएयू के हॉस्टल में रह सकेंगे स्टूडेंट्स

हॉस्टलों में रहने वाले स्टूडेंट्स को गाइडलाइन का करना होगा पालन

भास्कर न्यूज | हिसार

आखिरकार छात्रों की मांग पर एचएयू प्रशासन ने उनके लिए हॉस्टल के द्वार भी खोल दिए हैं। मगर इस बार हॉस्टलों में रहने वाले छात्रों को गाइडलाइन का पालन करना होगा। यदि कोई भी छात्र गाइडलाइन का पालन नहीं करता है तो उसे बाहर का रास्ता दिखा दिया जाएगा। पीजी के विभिन्न कोर्स के छात्रों की रिपोर्ट निगेटिव आने के बाद ही उन्हें हॉस्टल के कमरों में एंट्री दी जाएगी।

कोरोना वायरस से बचाव के मद्देनजर एचएयू में ऑनलाइन ही पढ़ाई चल रही है। हालांकि रिसर्च करने वाले एमएससी, पीएचडी द्वितीय वर्ष के छात्रों के लिए विवि में छात्रों का आगमन शुरू हो चुका है। छात्रों की मांग थी कि उन्हें विवि प्रशासन हॉस्टल उपलब्ध नहीं करा रहा है। जिसके कारण उन्हें प्रति माह 5 से लेकर 7 हजार रुपये तक में किराए का कमरा लेकर रहने को मजबूर होना पड़ रहा है। जिसके कारण उन्हें आर्थिक परेशानी भी हो रही है।

एचएयू के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने बताया कि कोरोना से बचाव के लिए छात्रों के लिए हॉस्टल अलाउ कर दिए गए हैं। मगर इसके लिए छात्रों को कोरोना रिपोर्ट निगेटिव होना जरूरी है। इसके अलावा हर बार एचएय के दस हॉस्टलों में करीब 1500 स्टूडेंट रहते थे। इस बार पीजी के एमएसी द्वितीय वर्ष, पीएचडी द्वितीय वर्ष के करीब 300 छात्र ही हॉस्टलों में रह सकेंगे। क्योंकि इन छात्रों को रिसर्च का कार्य करना होता है। एक रूम में पहले तीन स्टूडेंट रहते थे इस बार एक ही स्टूडेंट एक कमरे में रहेगा। यहीं नहीं छात्रों को मास्क लगाने से लेकर प्रतिदिन सेनिटाइजर का भी प्रयोग करना होगा। इसके अलावा कोरोना से बचाव के लिए हॉस्टल में ही आइसोलेशन वार्ड भी बनाया गया है। जिसमें छात्रों की रिपोर्ट आने के बाद ही एंट्री दी जाएगी। वीसी का कहना है कि प्रयास रहेगा कि छात्रों को परेशानी न होने दी जाएं। विवि के अधिकारियों को भी इस संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए है।

आगे भी ऑनलाइन ही चलेगी पढ़ाई

एचएयू के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने बताया कि कोरोना वायरस से बचाव के मद्देनजर अभी छात्र एवं छात्राओं की पढ़ाई ऑनलाइन ही चलेगी। हालांकि रिसर्च के लिए अंतिम वर्ष के छात्रों को एंट्री दे दी गई है। विदेशी तकनीक के माध्यम से विवि के छात्रों को ऑनलाइन पढ़ाई दी जा रही है।

हॉस्टल में रहने वाले छात्रों के लिए यह करेगी एचएयू

- प्रतिदिन छात्रों को कोरोना वायरस से बचाव के लिए सोशल डिस्टेंस, मास्क लगाने और सेनिटाइजर का प्रयोग करने के प्रति टीम जागरूक करेंगी।
- मैस में खाना बेच वाइज दिया जाएगा, ताकि सोशल डिस्टेंस बना रहे
- इंटरनेशनल हॉस्टल में रहने वाले छात्रों की समस्याओं के समाधान के लिए अलग से टीम गठित होगी।
- बार बार कहने के बावजूद मास्क नहीं लगाने पर ऐसे छात्र को बाहर का रास्ता दिखा दिया जाएगा।
- विवि प्रशासन छात्रों को मास्क भी बांटेगा।
- कमरों के अंदर सफाई की विशेष व्यवस्था की जाएगी।

विद्यार्थियों को जागरूक करने को बनाई हैं टीमें

छात्र एवं छात्राओं की परेशानी को देखते हुए हॉस्टलों में उनका प्रवेश शुरू कर दिया गया है। कोरोना से बचाव के लिए गाइडलाइन का पालन कराने को छात्रों को जागरूक भी किया जा रहा है। जिसके लिए कई टीमें बनाई गई है।''

- प्रोफेसर समर सिंह, कुलपति, एचएयू।